भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

10.12.2025 के

तारांकित प्रश्न सं. 157 का उत्तर

देश भर में रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण

***157. श्री मलैयारासन डी.:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश भर में रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) आधुनिकीकरण के लिए कितने रेलवे स्टेशनों की पहचान की गई है और स्टेशनों के चयन के क्या मानदंड हैं;

(ग) रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण के लिए आबंटित कुल बजट का ब्यौरा क्या है और इस धनराशि को विभिन्न राज्यों में किस प्रकार वितरित किया जाता है;

(घ) क्या आधुनिकीकरण परियोजनाओं में कोई सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल शामिल है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और निजी निवेश से कितने प्रतिशत वित्तपोषण की संभावना है;

(ङ) रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण के भाग के रूप में शामिल की जाने वाली सुविधाओं/प्रसाधनों का ब्यौरा क्या है;

(च) रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में विशेष रूप से यात्री सूचना और सुरक्षा प्रणालियों के संदर्भ में प्रौद्योगिकी की क्या भूमिका है;

(छ) सरकार ऐतिहासिक रेलवे स्टेशनों की विरासत, वास्तुकला और सांस्कृतिक महत्व को संरक्षित करते हुए उनका आधुनिकीकरण किस प्रकार करने की योजना बना रही है; और

(ज) विरासत रेलवे स्टेशनों पर आधुनिकीकरण परियोजनाओं के लिए विशिष्ट दिशा-निर्देशों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ज): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 10.12.2025 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 157 के भाग (क) से (ज) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ज): रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में स्टेशनों में सुधार लाने के लिए मास्टर योजना तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है। इस मास्टर योजना में निम्नानुसार शामिल हैं -

- **स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार,**
- **स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण,**
- **स्टेशन भवन में सुधार,**
- **प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पानी के बूथ में सुधार,**
- **यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉनकोर्स का प्रावधान,**
- **लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप का प्रावधान,**
- **प्लेटफॉर्म की सतह और प्लेटफॉर्म पर कवर में सुधार/प्रावधान,**
- **'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान,**
- **पार्किंग क्षेत्र, यातायात के विभिन्न साधनों के साथ एकीकरण,**
- **दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं,**
- **बेहतर यात्री सूचना प्रणाली,**

- प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, लैंडस्केपिंग का प्रावधान आदि शामिल हैं।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध एवं व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, इस योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1337 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों के विकास संबंधी कार्य तीव्र गति में शुरू किए गए हैं। अभी तक, 155 स्टेशनों पर कार्य पूरे कर लिए गए हैं। इन स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

अलनावर, अंब अंदौरा, अंबिकापुर, आमगांव, आनंदपुर साहिब, अनारा, अयोध्या धाम, बादामी, बागलकोट, बैजनाथ पपरोला, बलरामपुर, बंतावाला, बाराभूम, बारामती, बरेली सिटी, बारीपदा, बरपाली, बेगमपेट, ब्योहारी, भानुप्रतापपुर, भिलाई, बिजनौर, बिमलगढ़, बोम्मिडी, बूंदी, चंदा फोर्ट, चंगनास्सेरी, चिदंबरम, चिंचपोकली, चिरायिंकीझ, कटक, डाकोर, डेरोल, देशनोक, देवलाली, धारवाड़, धुले, डोंगरगढ़, फतेहाबाद, फतेहपुर, फतेहपुर शेखावाटी, गडग, गोड्डा, गोगामेरी, गोकक रोड, गोला गोकर्णनाथ, गोमती नगर, गोवर्धन, गोविंद गढ़, गोविंदपुरी, गोविंदपुर रोड, हैबरगांव, हल्दिया, हापा, हरपालपुर, हाथरस सिटी, होडल, ईदगाह आगरा जंक्शन, इज्जतनगर, जैसलमेर, जाम जोधपुर, जाम वनथली, जॉयचंदी पहाड़, काकीनाडा टाउन, कल्याणी घोषपारा, कामाख्यागुड़ी, कनालुस जंक्शन, कराईकुडी जंक्शन, करमसद, करीमनगर, कटनी दक्षिण, केडगांव, खैरथल, कोप्पल, कोसंबा जंक्शन, कुलितुरई, कुट्टीपुरम, लासलगांव, लिम्बडी, लोहरदगा, लोणंद जंक्शन, माहे, महुवा, मैलानी, मंडल गढ़, मंडावर महवा रोड, मधुपुर, मनापराई, मंडी डबवाली, मंगलागिरी, मन्नारगुडी, माटुंगा, मीठापुर,

मोरप्पुर, मोरबी, मुक्तसर, मुनिराबाद, मुर्तिजापुर जंक्शन, नैनपुर जंक्शन, नंदुरा, नर्मदापुरम (होशंगाबाद), नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, ओखा, ओरछा, पालीताणा, पानागढ़, पनकी धाम, परेल, परलाखेमुंडी, पीरपैंती, पिस्का, पुखरायां, पोलाची जंक्शन, पोलूर, पोरबंदर, राजगढ़, राजमहल, राजुला जंक्शन, रामघाट हाल्ट, रायनपाडु, सहारनपुर जंक्शन, साहिबजादा अजीत सिंह मोहाली, साहेबगंज, समखियाली, समलपट्टी, शंकरपुर, सावदा, सिवनी, शहद, शाजापुर, शोलावंदन, षोरणूर जंक्शन, श्रीधाम, सिद्धार्थ नगर, सीहोर जंक्शन, सिउरी, श्री बाला ब्रह्मेश्वर जोगुलम्बा, श्रीरंगम, श्रीविल्लिपुत्तूर, सेंट थॉमस माउंट, सुल्लुरपेटा, सुरैमंपुर, स्वामीनारायण छापिया, तामलुक, थावे, थिरुवरूर जंक्शन, तिरुवन्नामलाई, टूनि, उझानी, उरकुरा, उतरन, वडकरा, वडाला रोड, वृद्धाचलम जंक्शन, वारंगल।

अन्य स्टेशनों पर भी कार्य तेज गति से शुरू किए गए हैं तथा कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार है:

- तिरुपति स्टेशन: दक्षिण दिशा में नए मुख्य प्रवेश स्टेशन भवन और 2 अदद एयर कॉन्कोर्स के संरचनात्मक ढांचे का कार्य पूरा हो चुका है। दक्षिण दिशा की ओर नए मुख्य प्रवेश स्टेशन भवन और एयर कॉन्कोर्स में फिनिशिंग का कार्य, उत्तर दिशा के स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, प्लेटफार्म शेल्टर संबंधी कार्य, लिफ्ट, एस्केलेटर आदि का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- नेल्लोर स्टेशन: पूर्व और पश्चिम दोनों दिशाओं में स्टेशन भवनों के संरचनात्मक ढांचे, ईंटों और प्लस्तर का कार्य और एयर कॉनकोर्स का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है। पूर्व और पश्चिम दोनों दिशाओं में स्टेशन भवन और एयर कॉनकोर्स पार्ट के फिनिशिंग कार्य, सबवे का विस्तार कार्य, पानी की टंकियों, सीवेज ट्रीटमेंट संयंत्र के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- **यशवंतपुर स्टेशन: पूर्वी दिशा के स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य, पूर्वी दिशा के उप-स्टेशन के सिविल कार्य, पूर्वी दिशा पर एलिवेटेड सड़क और मल्टी-लेवल कार पार्किंग के कार्य पूरे हो गए हैं। पूर्वी दिशा के स्टेशन भवन, पूर्वी दिशा पर एलिवेटेड सड़क और मल्टी-लेवल कार पार्किंग, सीवेज ट्रीटमेंट संयंत्र का फिनिशिंग कार्य, पश्चिम दिशा के स्टेशन भवन और एयर कॉनकोर्स के संरचनात्मक कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

- **बेंगलुरु कैंट स्टेशन: दक्षिण दिशा में 24 मीटर चौड़े अंतरित मार्ग, प्रशिक्षण केंद्र, उत्तर दिशा में छात्रावास, दक्षिण दिशा के स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य पूरे कर लिए गए हैं। दक्षिण दिशा के स्टेशन भवन का फिनिशिंग कार्य, उत्तर दिशा के स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, पैदल पार पुल का कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

- **रामेश्वरम स्टेशन: पूर्व/उत्तर टर्मिनल भवन, प्रस्थान प्रांगण, आगमन प्रांगण, आवासीय टॉवर, सब-स्टेशन भवन, जल निष्कर्षण संयंत्र और सीवेज ट्रीटमेंट संयंत्र के संरचनात्मक कार्य पूरे हो चुके हैं। पूर्व टर्मिनल भवन के चिनाई संबंधी कार्य, उत्तर टर्मिनल भवन, प्रस्थान प्रांगण, आगमन प्रांगण, आवासीय टॉवर के फिनिशिंग कार्य, प्लेटफार्म उन्नयन जिसमें प्लेटफार्म शेल्टर शामिल है और मौजूदा प्रतीक्षा कक्ष के नवीनीकरण के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

- **सफदरजंग स्टेशन: सिगनल भवन, स्टेशन भवन, प्लम्बिंग और फायर फाइटिंग, परिचालन भवन की छत तक संरचनात्मक कार्य, एयर कॉनकोर्स की स्थापना और पेडेस्टल्स के कार्य पूरे हो चुके हैं। स्टेशन भवन में इलेक्ट्रिकल और लो वोल्टेज कार्य, प्लेटफार्म नवीनीकरण, परिचालन भवन के फिनिशिंग कार्य, ओवरहेड टैंक और एयर कॉनकोर्स के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

स्टेशनों का चयन क्षेत्रीय रेलों से प्राप्त प्रस्तावों, प्रमुख शहरों और पर्यटन तथा तीर्थाटन महत्व वाले स्थानों में स्थित स्टेशनों के आधार पर किया जाता है।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार, स्टेशन-वार या राज्य-वार। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत 12,118 करोड़ रुपए निधि का आबंटन किया गया है और अब तक (अक्टूबर 2025 तक) 7,253 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशन विकास परियोजनाओं को मुख्य रूप से बजटीय सहयोग के साथ संकल्पित किया जाता है। बहरहाल, सार्वजनिक निजी भागीदारी पद्धति के अंतर्गत विकास के लिए 15 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है और इससे प्राप्त अनुभव के आधार पर, योजना को आगे विकसित करने की परिकल्पना की गई है।

रेल मंत्रालय स्टेशनों के पुनर्विकास/आधुनिकीकरण की योजना बनाते समय और निष्पादन के दौरान उत्कृष्ट धरोहर के महत्व वाली मदों के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध है। संरचना/कलाकृति की संदर्भ और दशा के आधार पर उस स्थल विशेष के अनुसार उपाय किए जाते हैं।

भारतीय रेल, जिसमें स्टेशन भी शामिल हैं, में प्रौद्योगिकीय सुधार लाना एक सतत प्रक्रिया है और इसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी के उपयोग को सबके लिए सुलभ बनाना है। इसका लक्ष्य भारत-केंद्रित चुनौतियों का समाधान करना तथा सभी भारतीयों के लिए आर्थिक और रोजगार के अवसर सृजित करना है।

इसके अतिरिक्त, भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत् और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों की पारस्परिक प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार कार्य शुरू किए जाते हैं। स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्यों को स्वीकृति देने और निष्पादन के समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्चतर कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना, (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

******